हम इस सच्चाई से रूबरू होते हैं कि आजादी के 67 वर्षों के बाद भी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय स्वास्थ्य सम्बन्धी प्राथमिक सुविधाओं से बुरी तरह से वंचित है। इससे यह प्रतीत होता है कि इन वर्गों तक स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाएं पहुंच ही नहीं पा नहीं है। मैं यह कहना चाहता हूं कि भारतीय संविधान के निर्माता डा. भीमराव अंबेडकर जी ने इन वर्गों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए संविधान में विशेष रूप से प्रावधान किया है। यदि आज तक इस तरफ ध्यान दिया जाता है, तो आज यह विकराल तस्वीर हमारे सामने न आती।

अतः मैं आपसे यह अनुरोध करता हूं कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओ.बी.सी. वर्गों को स्वास्थ्य सम्बन्धी प्राथमिक सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में मिलें, इस हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं।

Demand to build a new airport in Shimla

श्रीमती बिमला कश्यप सूद (हिमाचल प्रदेश) : महोदय, हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी राज्य है और वहां पर पर्यटन की अपार सम्भावनाएं हैं। बड़े ताज्जुब व खेद का विषय है कि जिला शिमला, जो हिमाचल प्रदेश की राजधानी भी है, के लिए कोई सरकारी हवाई सेवा उपलब्ध नहीं है, केवल मात्र एक निजी हवाई सेवा उपलब्ध है, जो अपनी मर्जी के अनुसार चलती है और जो नाकाफी है। शिमला के लिए 20-22 वर्ष पहले वायुदूत की एक सेवा दिल्ली से चलती थी, परन्तु उसको भी सरकार ने बंद कर दिया है।

महोदय, शिमला हवाई अड्डे का निरीक्षण संसदीय समिति द्वारा किया गया था, जिसमें पाया गया कि शिमला हवाई अड्डा डेंजर जोन में हैं, इसलिए इसका विस्तार किया जाए या कहीं दूसरी जगह शिमला में ही एक बड़ा हवाई अड्डा खोला जाए। जहां तक रेल मार्ग का सवाल है, तो आजादी के 65-66 वर्ष के बाद भी समस्या ज्यों की त्यों है। यह समझ नहीं आता, क्योंकि हम लोग हर वर्ष सरकार के संज्ञान में यह बात लाते रहे हैं कि हिमाचल में रेल व हवाई सेवाओं का अभाव है और सरकार उस पर ध्यान दे, ताकि हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के लाखों लोगों की अनदेखी न की जा सके।

अतः मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह शिमला में एक नया हवाई अड्डा खोले अथवा उसका विस्तार करे, जो अति आवश्यक है तथा संबंधित मंत्रालय को तुरन्त कार्यवाही हेतु आदेश दिए जाएं, ताकि शिमला में पर्यटन को अधिक बढ़ावा मिल सके। धन्यवाद।

Demand to set up a coast guard station at Hajira in Gujarat

श्री शम्भु प्रसाद बलदेवदासजी टुंडिया (गुजरात) : महोदय, हजीरा हमारे देश का बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र है, जो कि देश के आर्थिक विकास में बहुत बड़ा योगदान दे रहा है। हमारे देश में आतंकवादी खतरा निरंतर बढ़ रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से हजीरा क्षेत्र काफी संवेदनशील है। पूर्व में हमने समुद्री मार्ग से पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा मुम्बई में 26/11 जैसी बड़ी आतंकवादी घटना का सामना किया है, जिसमें देश का बहुत बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ और काफी लोगों ने अपनी कीमती जीवन खो दिया था।

[श्री शम्भु प्रसाद बलदेवदासजी टुंडिया]

महोदय, हजीरा समुद्र के किनारे पर स्थिति है और पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय जल सीमा से बहुत नजदीक है। हजीरा में मरीन पोलिस स्टेशन हाल में कार्यरत है परन्तु मरीन पोलिस की एक मर्यादा है और इसको ध्यान में रखते हुए हजीरा में भारत सरकार को गुजरात सरकार के साथ मिल कर एक कोस्ट गार्ड स्टेशन की स्थापना करने पर गम्भीरता से विचार करना चाहिए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Shambhuprasad Baldevdasji Tundiya.

SHRI SHAMBHUPRASAD BALDEVDAS TUNDIYA: Sir, I want to read my Special Mention.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: See, if you make it a maiden speech, you will lose the chance.

SHRI ANAND SHARMA (Rajasthan): Sir, a decision has been taken to adjourn the House.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is what I am doing. So, the House stands adjourned to meet on Thursday, the 24th July, 2014 at 11.00 A.M.

The House then adjourned at thirty-six minutes past seven of the clock till eleven of the clock on Thursday, the 24th July, 2014.